

मित्रा स्त्री. (तत्.) 1. मित्र नामक वैदिक देवता की स्त्री का नाम 2. दशरथ पत्नी सुमित्रा।

मित्राई स्त्री. (तद्.) मित्रता, दोस्ती।

मित्राक्षर पुं. (तत्.) काव्य. वह छंद जिसके दोनों चरणों की तुक मिलती हो।

मित्रावरुण पुं. (तत्.) मित्र और वरुण नामक वैदिक देवता।

मित्रिता स्त्री. (देश.) मापांक, भौतिक विज्ञान में वह परिमाण या मान जो किसी अमूर्त परिणाम, प्रभाव या शक्ति (लचीलापन) की किसी निश्चित इकाई के आधार पर स्थिर किया जाता है और जाना जाता है modulus

मित्रि स्त्री. (तत्.) लक्ष्मण, शत्रुघ्न की माता सुमित्रा का एक नाम, मित्रा।

मिथि पुं. (तत्.) राजा जनक, मिथिलेश, मिथिल, ऋषि अगस्त्य के शाप के कारण राज निमि विदेह हो गये थे, उनके मृत शरीर को मथ कर मिथि अर्थात् राजा जनक को पैदा किया गया था अतः उन्हें मिथि या मिथिल कहा जाता है।

मिथिला स्त्री. (तत्.) वर्तमान तिरहुत का प्राचीन नाम, राजा मिथि (जनक) का प्रदेश, जनकपुरी।

मिथु वि. (तत्.) मिथ्या, झूठा, असत्य।

मिथुन पुं. (तत्.) 1. स्त्री-पुरुष का जोड़ा, नर-मादा का जोड़ा 2. संयोग, समागम, मैथुन ज्यो. बारह राशियों में से तीसरी राशि।

मिथुनचर पुं. (तत्.) चक्रवाक, चकवा पक्षी, ऐसा माना जाता है यह पक्षी हमेशा जोड़े में साथ चलता या रहता है।

मिथुनत्व पुं. (तत्.) मिथुन या जोड़े में होने की अवस्था, गुण या भाव।

मिथुनीकरण पुं. (तत्.) नर-मादा को इकट्ठा करना, जोड़ा बनाना, जोड़ा खिलाना या मिलाना।

मिथुनीभाव पुं. (तत्.) मैथुन, संयोग, रतिक्रीड़ा।

मिथोन्माद पुं. (तत्.) मनो. एक प्रकार का मानसिक रोग जिसमें व्यक्ति इस प्रकार का

झूठ बोलने लगता है कि असंभव बात को भी पूरे विश्वास से कहता है mythomania

मिथौरी स्त्री. (देश.) 1. मेथी से युक्त बड़ियाँ 2. पेठा के साथ उड़द दाल पीस कर मसालेदार बड़ियाँ।

मिथ्या वि. (तत्.) 1. अस्तित्वहीन या अज्ञानवश अस्तित्व में होने का भ्रम 2. झूठा, असत्य 3. कृत्रिम, बनावटी 4. निराधार 5. कपटपूर्ण 6. नियम या नीति विरुद्ध।

मिथ्याचार पुं. (तत्.) 1. ऐसा आचरण या व्यवहार जिसमें सत्यता न हो, कपटपूर्ण आचरण, ढोंग, पाखंड।

मिथ्यात्व पुं. (तत्.) 1. मिथ्या होने की अवस्था, धर्म या भाव 2. माया।

मिथ्या दृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. नास्तिकता, मिथ्या दर्शन 2. भ्रमित मनुष्य।

मिथ्याध्यवसिति स्त्री. (तत्.) काव्य. एक अर्थालंकार जिसमें किसी कल्पित या मिथ्या बात को आधार बनाकर कोई और मिथ्या बात कही जाती है।

मिथ्या निरसन पुं. (तत्.) शपथपूर्वक सच्ची बात को न मानना, कसम खाकर इनकार करना।

मिथ्या पुरुष पुं. (तत्.) छाया पुरुष, हठयोग के तंत्र के अनुसार आकाश में दिखाई पड़ने वाली द्रष्टा की छाया रूपी आकृति।

मिथ्या मति स्त्री. (तत्.) धोखा, गलती, भ्रान्ति।

मिथ्या योग पुं. (तत्.) रूप, रस, प्रकृति आदि के विरुद्ध कार्य जैसे मल या मूत्र के आवेग को रोकना।

मिथ्यावाद पुं. (तत्.) झूठ बोलना, असत्य कथन।

मिथ्यावादी वि. (तत्.) असत्यवादी, झूठा।

मिथ्याहार पुं. (तत्.) 1. प्रतिकूल गुणों वाली चीजों को एक साथ खाना जैसे- मांस-मछली के साथ दूध पीना 2. प्रतिकूल भोजन।

मिन अव्य. (अर.) 'से' अर्थ देने वाला जैसे- मिन जानिब=ओर से, तरफ से।